यहोवा के करीब रहिए (भाग 2)

बाइबल हमें क्या सिखाती है? किताब के अध्याय 19 पर आधारित। यह किताब jw.org पर उपलब्ध है।

मकसद: जाँचिए कि आप क्या मानते हैं और ऐसा क्यों मानते हैं। देखिए कि बाइबल क्या सिखाती है और आप जो मानते हैं वह दूसरों को कैसे समझा सकते हैं।

आप परमेश्वर के करीब कैसे बने रह सकते हैं?

1 जाँचिए कि आप क्या मानते हैं

कुछ लोग शायद क्या कहें?

_____

_____

आप क्या मानते हैं?

_____

_____

आप ऐसा क्यों मानते हैं?

_____

_____

_____

_____

www.jw.org © 2018 Watch Tower Bible and Tract Society of Pennsylvania

2 जानिए कि पवित्र शास्त्र क्या सिखाता है

निजी तौर पर बाइबल का अध्ययन करने और प्रार्थना करने से हम परमेश्वर के और करीब आ सकते हैं।
(*सिखाती है* किताब के अध्याय 19 के पैराग्राफ 10-14 देखें।)

नीतिवचन 2:1-5; यूहन्ना 17:3; 1 तीमुथियुस 4:15 पढ़िए।
बाइबल का अध्ययन करने और सीखी बातों पर गहराई से सोचने से आपको क्या फायदा होता है?

भजन 62:8; 1 थिस्सलुनीकियों 5:17 पढ़िए।
हमें रोज़ प्रार्थना क्यों करनी चाहिए?

जिस तरह कोयले को आग के बीच रखने से वह जलता रहेगा, उसी तरह भाई-बहनों के साथ मिलकर परमेश्वर की उपासना करने से एक मसीही परमेश्वर से प्यार करता रह पाएगा

www.jw.org © 2018 Watch Tower Bible and Tract Society of Pennsylvania

यहोवा चाहता है कि हम दूसरे सच्चे मसीहियों के साथ मिलकर उसकी उपासना करें।

(*सिखाती है* किताब के अध्याय 19 के पैराग्राफ 15-23 देखें।)

2 तीमुथियुस 4:2; इब्रानियों 10:24, 25 पढ़िए।

लोगों को गवाही देने और सभाओं में जाने के बारे में हमारा क्या नज़रिया होना चाहिए?

1 तीमुथियुस 6:12 पढ़िए।

जो लोग सच्चे मसीहियों के साथ मिलकर परमेश्वर की उपासना करते हैं, उन्हें परमेश्वर भविष्य में कौन-सी आशीष देने का वादा करता है?

सच्चे मसीहियों के साथ संगति करने से ***आपको*** कौन-से फायदे हुए हैं?

www.jw.org © 2018 Watch Tower Bible and Tract Society of Pennsylvania

3 समझाइए कि आप क्या मानते हैं

अगर कोई कहे . . .

सबका अपना-अपना धर्म है, इसका प्रचार करने की कोई ज़रूरत नहीं।

आप कह सकते हैं . . .

बहुत-से लोग आपकी बात से सहमत होंगे। लेकिन मैं मानता हूँ कि मसीहियों को अपने विश्वास के बारे में लोगों को बताना चाहिए, क्योंकि . . .

_____

_____

आप उसे कौन-सी आयत दिखा सकते हैं?

_____

वह जो मानता है उसे ध्यान में रखते हुए आप इस आयत से अपनी बात कैसे समझा सकते हैं?

_____

अगर कोई कहे . . .

ज़िंदगी बार-बार नहीं मिलती, इसलिए आज हमें इसका पूरा-पूरा मज़ा लेना चाहिए।

आप कह सकते हैं . . .

मैं आपकी बात से सहमत हूँ कि हमें ज़िंदगी की कदर करनी चाहिए। लेकिन मैं यह भी मानता हूँ कि यही ज़िंदगी सबकुछ नहीं है, हमारे जीने का और भी बढ़कर मकसद है। इसकी वजह है कि . . .

_____

_____

आप उसे कौन-सी आयत दिखा सकते हैं?

_____

वह जो मानता है उसे ध्यान में रखते हुए आप इस आयत से अपनी बात कैसे समझा सकते हैं?

_____

www.jw.org © 2018 Watch Tower Bible and Tract Society of Pennsylvania